Roll No.....

Signature of Invigilator .....

Paper Code

BD-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023

बी.ए. दर्शन, चतुर्थ सत्र

संस्कृत व्याकरण-II

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. यो यत्र प्रत्ययो जातः समासो यत्र वा भवेत्..... कारिका को पूर्ण करते हुये विस्तृत व्याख्या लिखें।

2. दुहादेर्गौणकं कर्म नीवहादेः प्रधानकम्..... कारिका को पूर्ण करते हुये विस्तृत व्याख्या लिखें।

3. तृतीया करणे प्रायश्चतुर्थी सम्प्रदानतः ..... कारिका की विस्तृत व्याख्या लिखें।

4. कर्तृसंज्ञे तृतीया स्यात् द्वितीया कर्मकारके..... कारिका की विस्तृत व्याख्या लिखें।

5. एकदा तूभयप्राप्तौ कर्मण्येव न कर्तरि..... कारिका की विस्तृत व्याख्या करें।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. भग्नं मारबलं येन..... कारिका को पूर्ण करते हुए सप्रसंग व्याख्या करें।

7. उक्त एवं अनुक्त - करण, सम्प्रदान व अपादान की व्याख्या करें।

8. मुख्यं कर्तारमाचष्टे..... कारिका को पूर्ण करके उसकी व्याख्या करें।

9. अणिजन्त का कर्ता णिजन्त में कर्म संज्ञक हो जाता है किन्हीं तीन धातुओं का उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

10. उक्त और अनुक्त से आप क्या समझते हैं, कारक सम्बन्धोद्द्योत के अनुसार स्पष्ट करें।

11. कर्तृवाच्य में परिवर्तित करें -
(1) मया भुक्तम्, (2) त्वया कृतम्, (3) देवदत्तेन कटः क्रियते।

12. कर्मकारक के भेदों का वर्णन करें।

----------x----------